राज्यपाल सचिवालय, बिहार

(जन–सम्पर्क शाखा)

बिहार लोक भवन, पटना–800022

प्रेस–विज्ञप्ति

संख्या–128/2026

राज्यपाल ने नालंदा खुला विश्वविद्यालय में ऑनलाइन क्लास स्टूडियो एवं मास कम्युनिकेशन स्टूडियो का उद्घाटन किया

पटना 15 जुलाई, 2026 :– माननीय राज्यपाल–सह–कुलाधिपति लेफ्टिनेंट जनरल सय्यद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) ने नालंदा खुला विश्वविद्यालय में ऑनलाइन क्लास स्टूडियो एवं मास कम्युनिकेशन स्टूडियो का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय को इन नई सुविधाओं के लिए बधाई देते हुए कहा कि ये डिजिटल शिक्षा और आधुनिक संचार को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में संचार परिवर्तन का सबसे सशक्त माध्यम है तथा भारत को अपनी सभ्यतागत विरासत और उपलब्धियों की कहानी विश्व के समक्ष आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत करनी चाहिए।

उन्होंने छात्रों एवं शिक्षकों से सोशल मीडिया, पॉडकास्ट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा अन्य डिजिटल माध्यमों का प्रभावी उपयोग करते हुए नालंदा की गौरवशाली विरासत, बिहार की बौद्ध परंपरा और भारत की समृद्ध सभ्यतागत धरोहर पर आधारित प्रभावशाली लघु डिजिटल सामग्री तैयार करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रयास भारत की सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक स्तर पर व्यापक पहचान दिलाने में सहायक होंगे।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता की बढ़ती भूमिका का उल्लेख करते हुए उन्होंने विद्यार्थियों और शिक्षकों से उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनाने तथा उन्हें अध्ययन, अध्यापन और संचार का अभिन्न हिस्सा बनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जो लोग समय के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता को नहीं अपनाएँगे, वे तेजी से बदलती तकनीकी दुनिया में पीछे रह जाएँगे।

युवाओं से नवाचार को अपनाने, झिझक छोड़ने और अपने संवाद कौशल को सुदृढ़ बनाने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि भविष्य उन्हीं का है, जो प्रभावी संचार के माध्यम से समाज को प्रेरित करने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने युवाओं से निरंतर सीखते रहने, नई तकनीकों को अपनाने और सार्थक संवाद के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का भी आह्वान किया।

इस अवसर पर राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री दीपक कुमार सिंह, नालंदा खुला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० रवीन्द्र कुमार, कुलसचिव प्रो० अभय कुमार सिंह, नालंदा की जिलाधिकारी श्रीमती उदिता सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री भरत सोनी, विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, विद्यार्थीगण तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

....